को ध्यान में रखते हुए ठीक-ठीक नहीं बताई जा सकती कि कपड़े का अधिकांश उत्पादन विकेन्द्रीकृत हथकरघा तथा विद्युत-करघा क्षेत्रों में किया जाता है।

व्यापार सन्तुलन में घाटा

113. **श्री राम नरेश यादव** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

वर्ष 1989-90 के दिसम्बर माह के दौरान व्यापार संतुलन मे कितना घाटा था तथा 1990-91 के इसी माह में कितना घाटा होने का अनुमान है, तथा इस घाटे को कम करने के लिए आयात मे कमी करने हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जा रहे है और 1991 के अंत मे तक इस घाटे को कितना कम किया जा सकता है,

वाणिज्य मंत्री साथ में वित्त और व्यय मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री सुब्रमण्यम स्वामी) : अनन्तिम आकड़ो के अनुसार माह दिसम्बर, 1989, के दौरान भारत का व्यापार घाटा 833 56 करोड रुपये रहा। अक्टूबर, 1990 तक के उपलब्ध अनन्तिम आकडे उस माह के दौरान 1091.05 करोड रुपये का व्यापार घाटा दर्शाते है। इस स्तर पर दिसम्बर. 1990 के दौरान, और 1991 के बाद के संभावित व्यापार घाटे का ठीक-ठीक अनुमान लगाना मुश्किल है। सरकार ने व्यापार घाटे को स्थिर रखने के उद्देश्य से अनावश्यक मदों के आयात को कम करने के लिए कई उपाय किए है। इनमें पूंजीगत सामान, कच्चे माल, संघटको और उपभोज्य वस्तुओं की कुछ मदों को, खुले सामान ल इसेंस से लाइसेंसिंग श्रेणियो में रखना आदि शामिल हैं। साथ ही साथ निर्यात बढाने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे है।

बजट घाटा और विभिन्न परियोजनाओं के लिए विश्व बैंक से ऋण

114. **श्री राम नरेश यादव** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 1990-91 के वर्ष के बजट घाटे में कोई कमी आई है; यदि नहीं तो इस समय बजट घाटा कितना है;

(ख) सरकार बजट घाटे को कम करने के लिए 1990-91 के अन्त तक क्या कदम उठाने का विचार रखती है तथा वर्ष के अन्त तक इसको कितना कम किये जाने की संभावना है; और

(ग) क्या विभिन्न परियोजनाओं के लिए विश्व बैंक से ऋण प्राप्त करने मे कुछ कठिनाइया आ रही हैं और क्या सरकार ने इन कठिनाइयों को हल करने के लिए कोई पहल की है, और यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है ?

वित्त मंत्रालय में उपमंत्री और विदेश मंत्रालय में उपमंत्री (श्री दिग्विजय सिंह) : (क) 1990-91 के बजट मे अनुमानित स्तर की तुलना मे केन्द्रीय सरकार के बजट घाटे में परिवर्तनो की सशोधित अनुमानों मे प्रतिविम्बित किया जाएगा, जिन्हे 1991-92 के बजट दस्तावेजों मे दर्शाया जाएगा।

(ख) सरकार ने चालू वर्ष में बजटीय घाटे को नियंत्रित रखने के लिए पहले ही अनेक उपाय किए है। इनमे से, व्यय मे मितव्ययिता बरतने के लिए किए गए उपायों, नए संसाधन जुटाने के प्रयासो सहित राजस्व संग्रहो को तेज करने, निर्यात बढ़ाने और विदेशी सहायता का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने का उल्लेख किया जा सकता है। इन उपायो का प्रभाव कुछ समय के बाद पता लगेगा।

(ग) जी नही।

Insurance Claims of November 1984 Riot Victims

115. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that many victims of November, 1984 riots had in-

sured their houses against fire and they had field their claims to the general insurance companies after their houses were set on fire and destroyed by rioters;

(b) if so, how many such victims had put forward their claims with the insurance companies;

(c) whether it is also a fact that such claims were rejected by the insurance companies on the ground that their houses were set on fire by the rioters and such eventuality was not covered by the policy,

(d) whether Government propose to review such cases and instruct the insurance companies to pay the insurance amount to the affected victims; and

(e) if so, by when such payments are likely to be made to the victims?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE AND THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI DIGVIJAY SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) The insurance companies maintain statistics of claims reported and settled only as per the classes of business such as, fire, marine, motor & miscellaneous and not housewise/propertywise. As such, it is not possible to indicate the number of such cases.

(c) Yes, Sir.

(d) and (e) Where claims were repudiated by the insurance companies on the ground that there was no riot cover, Government has already considered and sanctioned ex-gratia payment upto the maximum of Rs. 50,000/- or 50 per cent of the assessed loss which ever was less.

Rise in Prices of Cotton

116. SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI. Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the prices of Cotton has shot up recently; and

(b) if so, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF TEXTILES AND FOOD PROCESSING INDUSTRIES (SHRI HUKUMADEO NARAYAN YADAV): (a) and (b) The prices of cotton during the current cotton season (September, '90—August, '91) have ruled higher as compared to the prices during the corresponding period of the previous season. The main reasons for this are shorter than expected crop, higher demand, and difficulties in movement due to late rains and diesel supply.

भारत बिजनेस इंटरनेशनल लिमिटेड को बंद किया जाना

117. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**
डा. जितेन्द्र कुमार जैन :
श्री सुनील बसु राय :
श्री वी. नारायणसामी :
श्री भुवनेश चतुर्वेदी :
श्री सुरेश कलमाडी :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने हाल ही में भारत बिजनेस इंटरनेशनल लिमिटेड को बंद करने का निर्णय लिया है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या यह भी सच है कि उक्त प्रतिष्ठान को बंद करने का निर्णय ले लिए जाने के परिणामस्वरूप जापान की एक बड़ी फर्म मिट्सु बिशी इनकारपोरेट ने 100 मिलियन डालर के एक निर्यात समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से इन्कार कर दिया है,